C.B.S.E Board

कक्षा : 10

विषय : हिंदी B

समय : 3 घंटे **पूर्णांक : 80**

सामान्य निर्देश:

1. इस प्रश्न-पत्र के चार खंड हैं - क,ख,ग,और घ।
2. चारों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
3. यथासंभव प्रत्येक खंड के उत्तर क्रमशः दीजिए।
4. एक अंक के प्रश्नों का उत्तर लगभग 15-20 शब्दों में लिखिए।
5. दो अंकों के प्रश्नों का उत्तर लगभग 30-40 शब्दों में लिखिए।
6. तीन अंकों के प्रश्नों का उत्तर लगभग 60-70 शब्दों में लिखिए।
7. पाँच अंकों के प्रश्नों का उत्तर लगभग 120-150 शब्दों में लिखिए।

खण्ड - क

[अपठित अंश]

प्र.1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए। [10]

चंद्रशेखर आज़ाद का जन्म 23 जुलाई, 1906 को एक आदिवासी ग्राम भाबरा में हुआ था। काकोरी ट्रेन डकैती और साण्डर्स की हत्या में सम्मिलित निर्भीक महान देशभक्त व क्रांतिकारी चंद्रशेखर आज़ाद का नाम भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास में अहम् स्थान रखता है।

आज़ाद बचपन में महात्मा गांधी से प्रभावित थे। मां जगरानी से काशी में संस्कृत पढ़ने की आज्ञा लेकर घर से निकले। दिसंबर 1921 गांधी जी के

असहयोग आंदोलन का आरम्भिक दौर था, उस समय मात्र चौदह वर्ष की आयु में बालक चंद्रशेखर ने इस आंदोलन में भाग लिया।
चंद्रशेखर गिरफ्तार कर लिए गए और उन्हें मजिस्ट्रेट के समक्ष उपस्थित किया गया। चंद्रशेखर से उनका नाम पूछा गया तो उन्होंने अपना नाम आज़ाद, पिता का नाम स्वतंत्रता और घर 'जेलखाना' बताया। उन्हें अल्पायु के कारण कारागार का दंड न देकर 15 कोड़ों की सजा हुई। हर कोड़े की मार पर, 'वन्दे मातरम्' और 'महात्मा गाँधी की जय' का उच्च उद्घोष करने वाले बालक चन्द्रशेखर सीताराम तिवारी को इस घटना के पश्चात् सार्वजनिक रूप से चंद्रशेखर 'आज़ाद' कहा जाने लगा।

1. चंद्रशेखर आज़ाद का जन्म कब और कहाँ हुआ था? [2]
2. चंद्रशेखर आज़ाद बचपन में किस से प्रभावित थे? दिसंबर 1921 में आज़ाद कौन-से आंदोलन में सहभागी हुए? [2]
3. चंद्रशेखर गिरफ्तार हुए तब उन्होंने मजिस्ट्रेट के समक्ष अपना परिचय कैसे दिया? [2]
4. चंद्रशेखर को मजिस्ट्रेट ने क्या सज़ा सुनाई? [2]
5. चंद्रशेखर को गिरफ्तार के किसके समक्ष उपस्थित किया गया? [1]
6. उपर्युक्त गद्यांश को उचित शीर्षक दें। [1]

खण्ड - ख

[व्यावहारिक व्याकरण]

प्र. 2. शब्द, पद के रूप में कब बदल जाता है? उदाहरण देकर शब्द और पद का भेद स्पष्ट कीजिए। [1]

प्र. 3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार दीजिए। [3]

(क) मदन आकर चला गया। (संयुक्त वाक्य में बदलिए)

(ख) तुम नहीं जानते, वह कौन है? (मिश्र वाक्य में बदलिए)

(ग) राज के पास जो कुछ था, वह खो गया। (सरल वाक्य में बदलिए)

प्र. 4. (क) निम्नलिखित समस्त पदों विग्रह करके समास का नाम लिखिए। [2]

- नीलगाय
- पाप-पुण्य

(ख) निम्नलिखित विग्रहों के समस्त पद बनाकर समास का नाम लिखिए।

- देश का भक्त
- सुन्दर हैं लोचन जिसके

प्र.5. निम्नलिखित वाक्यों के शुद्ध रूप में लिखिए। [4]

(क) इधर-उधर की व्यर्थ की बातें मत करो।

(ख) शायद मेरा मित्र अवश्य आएगा।

(ग) उन्हीं को क्या चाहिए?

(घ) सीता ने गहने उतार फेंका।

प्र. 6. उचित मुहावरों द्वारा रिक्त स्थानों की पूर्ति करें [4]

1. नौकर से प्याला टूटने पर सेठ ____________ लगा।
2. सोहम अपनी माँ की ____________ है।
3. बेरोजगारी में सोहम यूँही ____________ रहा है।
4. आजकल के नन्हें-मुन्ने बच्चों को संभालना और उनके प्रश्नों के उत्तर देना ____________ की तरह है।

खण्ड - ग

[पाठ्य पुस्तक एवं पूरक पाठ्य पुस्तक]

प्र. 7. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए: [2+2+2=6]

(क) तताँरा ने वामीरो से क्या याचना की?

(ख) बड़े-बड़े बिल्डर समुद्र को पीछे क्यों धकेल रहे थे?

(ग) बड़े भाई साहब छोटे भाई से हर समय पहला सवाल क्या पूछते थे?

(घ) प्रैक्टिकल आइडियालिस्ट किसे कहते हैं?

प्र.8. निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी एक प्रश्न का उत्तर लिखिए। [5]

1. अपने जीवन की किसी घटना का उल्लेख कीजिए जब - शुद्ध आदर्श में व्यावहारिकता का पुट देने से लाभ हुआ हो।
2. छोटे भाई ने अपनी पढ़ाई का टाइम-टेबिल बनाते समय क्या-क्या सोचा और फिर उसका पालन क्यों नहीं कर पाया?

प्र.9. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन के उत्तर दीजिए। [2+2+2=6]

(क) मनुष्य मात्र बंधु है से आप क्या समझते हैं? स्पष्ट कीजिए।

(ख) 'आत्मत्राण' कविता में चारों ओर से दुखों से घिरने पर कवि परमेश्वर में विश्वास करते हुए भी अपने से क्या अपेक्षा करता है?

(ग) गोपियों द्वारा श्री कृष्ण की बाँसुरी छिपाए जाने में क्या रहस्य है?

(घ) कंपनी बाग में रखी तोप क्या सीख देती है?

प्र.10. निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी एक प्रश्न का उत्तर लिखिए। [5]

1. 'मेखलाकार' शब्द का क्या अर्थ है? कवि ने इस शब्द का प्रयोग यहाँ क्यों किया है?

2. बिहारी की नायिका यह क्यों कहती है - कहि है सबु तेरौ हियौ, मेरे हिय की बात - स्पष्ट कीजिए।

प्र. 11. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए। [6]

1. पाठ में वर्णित घटनाओं के आधार पर पीटी सर की चारित्रिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।
2. घर वालों के मना करने पर भी टोपी का लगाव इफ़्फ़न के घर और दादी से क्यों था? दोनों के अनजान, अटूट रिश्ते के बारे में मानवीय मूल्यों की दृष्टि से अपने विचार लिखिए।

खण्ड - घ

[लेखन]

प्र.12. दिए गए विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 80-100 शब्दों में एक अनुच्छेद लिखिए। [6]

- अतिथि देवो भव
- वर्तमान युग में इंटरनेट
- मनोरंजन का महत्त्व

प्र.13. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर 80-100 शब्दों में पत्र लेखन कीजिए। [5]

1. आपके क्षेत्र में सड़कों पर बहुत अधिक पानी जमा हो जाता है, क्योंकि अधिकांश सड़कें टूटी हुई हैं। जगह-जगह ‘स्पीड ब्रेकर’ यातायात में सहायक न होकर बाधक बन गए हैं। परिस्थिति की पूर्ण जानकारी देते हुए नगर निगम के अधिकारी को शिकायती पत्र लिखिए।

2. गौरव आपका मित्र है और उसने नेशनल स्तर पर ऊँची कूद में स्वर्ण पदक प्राप्त कर देश का नाम रोशन किया है, उसे बधाई देते हुए पत्र लिखिए।

प्र.14. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर 40 से 50 शब्दों में सूचना लेखन कीजिए। [5]

1. मीरा इंटरनेशनल स्कूल, दिल्ली में हिंदी साहित्य समिति के सचिव हैं। आपके विद्यालय में आयोजित भाषण प्रतियोगिता के लिए विद्यार्थियों को आमंत्रित करते हुए एक सूचना पत्र लिखें।
2. गुमशुदा बुजुर्ग की तलाश के लिए अखबार में छपवाने के लिए सूचना तैयार कीजिए।

प्र. 15. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर 50-60 शब्दों में संवाद लेखन कीजिए। [5]

1. दो शिक्षकों के मध्य हो रहे संवाद को लिखिए।
2. महिला और मोची के मध्य हो रहे संवाद को लिखिए।

प्र. 16. निम्नलिखित विज्ञापनों में से किसी एक विज्ञापन का आलेख 50 शब्दों में तैयार कीजिए। [5]

1. सफ़ेद कपड़ो की धुलाई के किए प्रयोग किए जानेवाले साबुन का विज्ञापन तैयार कीजिए।
2. गुलाब जामुन मिक्स का विज्ञापन तैयार कीजिए।

C.B.S.E Board

कक्षा : 10

विषय : हिंदी B

समय : 3 घंटे **पूर्णांक : 80**

सामान्य निर्देश:

1. इस प्रश्न-पत्र के चार खंड हैं - क,ख,ग,और घ।
2. चारों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
3. यथासंभव प्रत्येक खंड के उत्तर क्रमश: दीजिए।
4. एक अंक के प्रश्नों का उत्तर लगभग 15-20 शब्दों में लिखिए।
5. दो अंकों के प्रश्नों का उत्तर लगभग 30-40 शब्दों में लिखिए।
6. तीन अंकों के प्रश्नों का उत्तर लगभग 60-70 शब्दों में लिखिए।
7. पाँच अंकों के प्रश्नों का उत्तर लगभग 120-150 शब्दों में लिखिए।

खण्ड - क

[अपठित अंश]

प्र.1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए। [10]

चंद्रशेखर आज़ाद का जन्म 23 जुलाई, 1906 को एक आदिवासी ग्राम भाबरा में हुआ था। काकोरी ट्रेन डकैती और साण्डर्स की हत्या में सम्मिलित निर्भीक महान देशभक्त व क्रांतिकारी चंद्रशेखर आज़ाद का नाम भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास में अहम् स्थान रखता है।

आज़ाद बचपन में महात्मा गांधी से प्रभावित थे। मां जगरानी से काशी में संस्कृत पढ़ने की आज्ञा लेकर घर से निकले। दिसंबर 1921 गांधी जी के

असहयोग आंदोलन का आरम्भिक दौर था, उस समय मात्र चौदह वर्ष की आयु में बालक चंद्रशेखर ने इस आंदोलन में भाग लिया। चंद्रशेखर गिरफ्तार कर लिए गए और उन्हें मजिस्ट्रेट के समक्ष उपस्थित किया गया। चंद्रशेखर से उनका नाम पूछा गया तो उन्होंने अपना नाम आज़ाद, पिता का नाम स्वतंत्रता और घर 'जेलखाना' बताया। उन्हें अल्पायु के कारण कारागार का दंड न देकर 15 कोड़ों की सजा हुई। हर कोड़े की मार पर, 'वन्दे मातरम्' और 'महात्मा गाँधी की जय' का उच्च उद्घोष करने वाले बालक चन्द्रशेखर सीताराम तिवारी को इस घटना के पश्चात् सार्वजनिक रूप से चंद्रशेखर 'आज़ाद' कहा जाने लगा।

1. चंद्रशेखर आज़ाद का जन्म कब और कहाँ हुआ था? [2]

उत्तर : चंद्रशेखर आज़ाद का जन्म 23 जुलाई, 1906 को एक आदिवासी ग्राम भाबरा में हुआ था।

2. चंद्रशेखर आज़ाद बचपन में किस से प्रभावित थे? दिसंबर 1921 में आज़ाद कौन-से आंदोलन में सहभागी हुए? [2]

उत्तर : चंद्रशेखर आज़ाद बचपन में महात्मा गांधी से प्रभावित थे। दिसंबर 1921 गांधी जी के असहयोग आंदोलन का आरम्भिक दौर था, उस समय मात्र चौदह वर्ष की आयु में बालक चंद्रशेखर ने इस आंदोलन में भाग लिया।

3. चंद्रशेखर गिरफ्तार हुए तब उन्होंने मजिस्ट्रेट के समक्ष अपना परिचय कैसे दिया? [2]

उत्तर : चंद्रशेखर गिरफ्तार कर लिए गए और उन्हें मजिस्ट्रेट के समक्ष उपस्थित किया गया। चंद्रशेखर से उनका नाम पूछा गया तो उन्होंने

अपना नाम आज़ाद, पिता का नाम स्वतंत्रता और घर ‘जेलखाना’ बताया।

4. चंद्रशेखर को मजिस्ट्रेट ने क्या सज़ा सुनाई? [2]

उत्तर : मजिस्ट्रेट ने अल्पायु के कारण कारागार का दंड न देकर 15 कोड़ों की सजा हुई।

5. चंद्रशेखर को गिरफ्तार के किसके समक्ष उपस्थित किया गया? [1]

उत्तर : चंद्रशेखर को गिरफ्तार कर मजिस्ट्रेट के समक्ष उपस्थित किया गया।

6. उपर्युक्त गद्यांश को उचित शीर्षक दें। [1]

उत्तर : उपर्युक्त गद्यांश के लिए उचित शीर्षक चंद्रशेखर ‘आज़ाद’ है।

खण्ड - ख

[व्यावहारिक व्याकरण]

प्र. 2. शब्द, पद के रूप में कब बदल जाता है? उदाहरण देकर शब्द और पद का भेद स्पष्ट कीजिए। [1]

उत्तर : शब्द वर्णों या अक्षरों के सार्थक समूह को कहते हैं।

उदाहरण के लिए क, म तथा ल के मेल से 'कमल' बनता है जो एक खास के फूल का बोध कराता है। अतः 'कमल' एक शब्द है कमल की ही तरह 'लकम' भी इन्हीं तीन अक्षरों का समूह है किंतु यह किसी अर्थ का बोध नहीं कराता है। इसलिए यह शब्द नहीं है। इसका रूप भी बदल जाता है। जब कोई शब्द वाक्य में प्रयुक्त होता है तो उसे शब्द न कहकर पद कहा जाता है।

प्र. 3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार दीजिए। [3]

(क) मदन आकर चला गया। (संयुक्त वाक्य में बदलिए)

उत्तर : मदन आया और चला गया।

(ख) तुम नहीं जानते, वह कौन है? (मिश्र वाक्य में बदलिए)

उत्तर : तुम नहीं जानते कि वह कौन है?

(ग) राज के पास जो कुछ था, वह खो गया। (सरल वाक्य में बदलिए)

उत्तर : राज का सब-कुछ खो गया।

प्र. 4. (क) निम्नलिखित समस्त पदों विग्रह करके समास का नाम लिखिए। [2]

- नीलगाय
- पाप-पुण्य

समस्त पद	विग्रह	समास
नीलगाय	नीली है जो गाय	कर्मधारय समास
पाप-पुण्य	पाप और पुण्य	द्वंद्व समास

(ख) निम्नलिखित विग्रहों के समस्त पद बनाकर समास का नाम लिखिए।

- देश का भक्त
- सुन्दर हैं लोचन जिसके

विग्रह	समस्त पद	समास
देश का भक्त	देशभक्त	तत्पुरुष समास
सुन्दर हैं लोचन जिसके	सुलोचना	बहुव्रीहि समास

प्र.5. निम्नलिखित वाक्यों के शुद्ध रूप में लिखिए। [4]

(क) इधर-उधर की व्यर्थ की बातें मत करो।

उत्तर : व्यर्थ में इधर-उधर की बातें मत करो।

(ख) शायद मेरा मित्र अवश्य आएगा।

उत्तर : मेरा मित्र अवश्य आएगा।

(ग) उन्हीं को क्या चाहिए?

उत्तर : उन्हें क्या चाहिए?

(घ) सीता ने गहने उतार फेंका।

उत्तर : सीता ने गहने उतार फेंकें।

प्र. 6. उचित मुहावरों द्वारा रिक्त स्थानों की पूर्ति करें [4]

1. नौकर से प्याला टूटने पर सेठ लाल-पीला होने लगा।
2. सोहम अपनी माँ की आँखों का तारा है।
3. बेरोजगारी में सोहम यूँही अपने दिन गँवा रहा है।
4. आजकल के नन्हें-मुन्ने बच्चों को संभालना और उनके प्रश्नों के उत्तर देना लोहे के चने चबाने की तरह है।

खण्ड - ग

[पाठ्य पुस्तक एवं पूरक पाठ्य पुस्तक]

प्र. 7. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए: [2+2+2=6]

(क) तताँरा ने वामीरो से क्या याचना की?

उत्तर : तताँरा वामीरो के रूप और मधुर आवाज़ से सम्मोहित हो गया था। गाँव की रीति की परवाह किए बिना उसने अगले दिन फिर लपाती गाँव की उसी समुद्री चट्टान पर आने की याचना की।

(ख) बड़े-बड़े बिल्डर समुद्र को पीछे क्यों धकेल रहे थे?

उत्तर : लगातार बढ़ती आबादी की आवास की समस्या से निपटने के लिए बड़े-बड़े बिल्डर समुद्र को पीछे धकेल रहे थे।

(ग) बड़े भाई साहब छोटे भाई से हर समय पहला सवाल क्या पूछते थे?

उत्तर : बड़े भाई साहब छोटे भाई से हर समय पहला सवाल पूछते थे कि - 'कहाँ थे?'

(घ) प्रैक्टिकल आइडियालिस्ट किसे कहते हैं?

उत्तर : प्रैक्टिकल आइडियालिस्ट उन्हें कहते हैं जो आदर्शों को व्यवहारिकता के साथ प्रस्तुत करते हैं।

प्र.8. निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी एक प्रश्न का उत्तर लिखिए। [5]

1. अपने जीवन की किसी घटना का उल्लेख कीजिए जब - शुद्ध आदर्श में व्यावहारिकता का पुट देने से लाभ हुआ हो।

उत्तर : शुद्ध आदर्श में व्यावहारिकता का पुट देकर एक बार मैंने शिक्षक से शाबाशी भी पा ली और एक विद्यार्थी को नक़ल करने से भी रोक

दिया। हुआ यूँ कि एक बार परीक्षा भवन में मेरे आगे बैठा विद्यार्थी नक़ल कर रहा था। मैं उसे रोकना चाह रहा था परन्तु यदि उसकी शिकायत में सीधे जाकर शिक्षक से करता तो बाद में वह मुझसे बदला अवश्य लेता इसलिए मैंने इशारे से शिक्षक को उसकी करतूत बता दी परिणामस्वरूप शिक्षक ने उसकी सारी नक़ल की सामग्री चुपचाप फाड़कर कूड़े में फेंक दी।

अथवा

2. छोटे भाई ने अपनी पढ़ाई का टाइम-टेबिल बनाते समय क्या-क्या सोचा और फिर उसका पालन क्यों नहीं कर पाया?

उत्तर : छोटे भाई ने टाईम टेबिल बनाते यह सोचा कि वह मन लगाकर पढाई करेगा और अपने बड़े भाई साहब को शिकायत का कोई मौका न देगा परन्तु उसके स्वच्छंद स्वभाव के कारण वह अपने ही टाईम टेबिल का पालन नहीं कर पाया क्योंकि पढ़ाई के समय उसे खेल के हरे-भरे मैदान, फुटबॉल, बॉलीबॉल और मित्रों की टोलियाँ अपनी ओर खींच लेते थे।

प्र.9. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन के उत्तर दीजिए। [2+2+2=6]

(क) मनुष्य मात्र बंधु है से आप क्या समझते हैं? स्पष्ट कीजिए।

उत्तर : इस कथन का अर्थ है कि संसार के सभी मनुष्य आपस में भाई-भाई हैं। इसलिए सभी को प्रेम भाव से रहना चाहिए, सहायता करनी चाहिए। कोई पराया नहीं है। सभी एक दूसरे के काम आएँ। प्रत्येक मनुष्य को निर्बल मनुष्य की पीड़ा दूर करने का प्रयास करना चाहिए।

(ख) ‘आत्मत्राण’ कविता में चारों ओर से दुखों से घिरने पर कवि परमेश्वर में विश्वास करते हुए भी अपने से क्या अपेक्षा करता है?

उत्तर : ‘आत्मत्राण’ कविता में चारों ओर से दुखों से घिरने पर कवि परमेश्वर में विश्वास करते हुए भी अपने से अपेक्षा करता है कि वह यह नहीं चाहता कि उस पर कोई विपदा न आए, जीवन में कोई दुख न आए बल्कि वह यह चाहता है कि वह मुसीबत तथा दुखों से घबराएँ नहीं, बल्कि आत्म-विश्वास के साथ निर्भीक होकर हर परिस्थितियों का सामना करने का साहस उसमें में आ जाए।

(ग) गोपियों द्वारा श्री कृष्ण की बाँसुरी छिपाए जाने में क्या रहस्य है?

उत्तर : गोपियाँ बात करने की लालसा में श्री कृष्ण की बाँसुरी छिपा लेती हैं।

(घ) कंपनी बाग में रखी तोप क्या सीख देती है?

उत्तर : कंपनी बाग में रखी तोप यह शिक्षा देती है कि अत्याचारी शक्ति चाहे कितनी भी बड़ी क्यों न हो, पर उसका अंत अवश्य होता है। मानव विरोध के सामने उसे हार माननी पड़ती है। किस प्रकार अंग्रेज़ों ने अत्याचार किए पर अंत में भारत को छोड़ना ही पड़ा। यह तोप हमें बताती है कि कोई कितना शक्तिशाली क्यों न हो, एक-न-एक दिन उसे धराशायी होना ही पड़ता है। तोप की तरह चुप होना ही पड़ता है।

प्र.10. निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी एक प्रश्न का उत्तर लिखिए। [5]

1. 'मेखलाकार' शब्द का क्या अर्थ है? कवि ने इस शब्द का प्रयोग यहाँ क्यों किया है?

उत्तर : मेखलाकार’ शब्द का अर्थ है - 'करधनी' के आकार के समान। यह कटि भाग में पहनी जाती है। पर्वत भी मेखलाकार की तरह गोल लग रहा था जैसे इसने पूरी पृथ्वी को अपने घेरे में ले लिया है। कवि ने इस शब्द का प्रयोग पर्वत की विशालता दिखाने और प्रकृति के सौंदर्य को बढ़ाने के लिए किया है।

अथवा

2. बिहारी की नायिका यह क्यों कहती है - कहि है सबु तेरौ हियौ, मेरे हिय की बात - स्पष्ट कीजिए।

उत्तर : बिहारी की नायिका अपने प्रिय को पत्र द्वारा संदेश देना चाहती है पर कागज पर लिखते समय कँपकँपी और आँसू आ जाते हैं। नायिका विरह की अग्नि में जल रही है। लिखते समय वह अपने मन की बात बताने में खुद को असमर्थ पाती है। किसी के साथ संदेश भेजेगी तो कहते लज्जा आएगी। इसलिए वह सोचती है कि जो विरह अवस्था उसकी है, वही उसके प्रिय की भी होगी। अतः वह कहती है कि अपने हृदय की वेदना से मेरी वेदना को समझ जाएँगे। कुछ कहने सुनने की जरूरत नहीं रह जाती।

प्र. 11. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए। [6]

1. पाठ में वर्णित घटनाओं के आधार पर पीटी सर की चारित्रिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

‘सपनों के से दिन’ पाठ में वर्णित घटनाओं के आधार पर पीटी सर की चारित्रिक विशेषताएँ निम्नलिखित हैं-

- पीटी सर शरीर से दुबले-पतले, ठिगने कद के थे, उनकी आँखे भूरी और तेज़ थीं। वे खाकी वर्दी और लम्बे जूते पहनते थे।
- वे बहुत अनुशासन प्रिय थे। बच्चे उनका कहना नहीं मानते तो वे दंड देते थे।
- वे कठोर स्वभाव के थे, उनके मन में दया भाव न था। बाल खींचना, ठुडढे मारना, खाल खींचना उनकी आदत थी।
- इनके साथ वे स्वाभिमानी भी थे। नौकरी से निकाले जाने पर वे हेडमास्टर जी के सामने गिड़ गिड़ाए नहीं बल्कि चुपचाप चले गए।

2. घर वालों के मना करने पर भी टोपी का लगाव इफ़्फ़न के घर और दादी से क्यों था? दोनों के अनजान, अटूट रिश्ते के बारे में मानवीय मूल्यों की दृष्टि से अपने विचार लिखिए।

उत्तर : टोपी को जो प्यार और अपनापन इफ़्फ़न की दादी से मिलता था वो उसे अपने घर में नहीं मिलता था। इफ़्फ़न की दादी की पूरबी मीठी बोली उसे अच्छी लगती थी जो उसके घर में उसकी माँ बोलती थी और घर में वर्जित थी। टोपी हिंदू धर्म का था और इफ़्फ़न की दादी मुस्लिम। परन्तु जब भी टोपी इफ़्फ़न के घर जाता दादी के पास ही बैठता। दादी पहले अम्मा का हाल चाल पूछतीं। दादी उसे रोज़ कुछ न कुछ खाने को देती परन्तु टोपी खाता नहीं था।

अत: दोनों का रिश्ता जाति और धर्म से परे प्यार के धागे से बँधा था यहाँ पर लेखक ने यह समझाने का प्रयास किया है कि जब रिश्ते प्रेम से बँधे होते है तो तब धर्म मजहब सभी बेमानी हो जाते हैं।

खण्ड - घ

[लेखन]

प्र.12. दिए गए विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 80-100 शब्दों में एक अनुच्छेद लिखिए। [6]

अतिथि देवो भव

हमारे पूर्वजों का मानना था कि वे लोग बहुत भाग्यवान होते हैं जिनके घर मेहमान आते हैं। तभी तो यहाँ की संस्कृति में लिखा गया है कि 'अतिथि देवो भवः'। भारत संस्कृति और परंपराओं का देश है। यहाँ लोग परंपराओं का विशेष आदर करते हैं। भारत एक ऐसा देश है जिसमें एक नहीं अनेकों विशेषताएँ हैं। फिर चाहे वो अपनत्व की भावना हो, फिर चाहे वो रिश्तों का मान सम्मान हो, सब कुछ अपने आप में विशाल है। इन सब के अलावा एक और परंपरा है हमारे देश में जो युगों-युगों से चली आ रही है, और आज भी चल रही है और वो परम्परा है, "अतिथि देवो भवः" की! अतिथि को भगवान के समान पूज्यनीय समझा जाता है।

भगवान श्रीकृष्ण का सुदामा का आतिथ्य सत्कार करना अतिथि देवोभव का उत्तम उदाहरण हैं।

श्रीकृष्ण जिस तरह अतिथि सुदामा का नाम सुनते ही नंगे पाँव उनके दर्शन के लिए अकुलाते हुए पहुँचते हैं, घायल पैरों को अपने हाथ से धोकर कृष्ण अपनी महानता दिखाते हैं। टूटे तंदुल को सुदामा से माँग कर जितनी आत्मीयता में भगवान फाका मारते हैं, अपने आप में अवर्णनीय है।

संसार के प्रत्येक व्यक्ति का हिंदुस्तान में भावभीना स्वागत किया जाता है। इस लिए आज देश सरकार हम सभी को सिर्फ एक बात बार-बार रट्टू तोते की तरह याद करवा रही है कि, "अतिथि देवो भवः" देश में आने वाले सभी विदेशी मेहमानों का हमें ध्यान रखना चाहिए, उनसे हमारी रोजी रोटी चलती है, वह देश की अर्थव्यवस्था में बहुत सहयोग करते हैं!

वर्तमान परिस्थितियों में शहरीकरण, घर के स्त्री-पुरुष का कामकाजी होना तथा एकल परिवारों का चलन बढ़ने के कारण भी हमारी इस परंपरा का निर्वाह नहीं हो पा रहा है। लोगों का संयुक्त परिवारों से अलग होना भी हमारी इस अतिथि देवो भव की संस्कृति को शने-शने भूलने का कारण बनता जा रहा है क्योंकि पहले सब लोग गाँवों में एक साथ में रहते थे, इसलिए खर्च का बोझ भी साझे होता था, जगह की कोई कमी नहीं होती थी, आवागमन की इतनी सुविधा न होने के कारण मेहमान भी साल छः:महीने में ही आ पाते थे इसलिए अतिथियों का आना उत्साह और आनंद का कारण होता था परन्तु आज के परिवेश में महँगाई इतनी बढ़ गई है कि अपना तथा अपने परिवार का पेट भरना ही मुश्किल होता जा रहा है, रहने की जगह की कमी हो गई है। वहाँ पर अतिथि के आने की कल्पना से मनुष्य का हृदय काँपने लगता है। वर्तमान परिवेश सभी चाहते हैं कि वे भी आनंद के साथ हँसी ख़ुशी मेहमानों के साथ अपना समय व्यतीत करें परन्तु बढ़ता खर्च और कम आमदनी और महँगाई से सामंजस्य न बिठा पाने के कारण हम अतिथि देवो भव परंपरा का पालन चाह कर भी नहीं कर पा रहे हैं।

वर्तमान युग में इंटरनेट

विज्ञान के अद्भूत चमत्कारों में से एक कंप्यूटर और इंटरनेट की सुविधा है। इंटरनेट से तात्पर्य एक ऐसे नेटवर्क से है जो दुनिया भर के लाखों करोड़ों कम्प्यूटरों से जुड़ा है। इस युग की रीढ़ की हड्डी है इंटरनेट। इंटरनेट की सुविधा ने ज्ञान के क्षेत्र में अद्भूत क्रांति ला दी है। हर विषय पर जानकारी प्राप्त करना आसान हो गया है। इंटेरनेट की संकल्पना ने “गागर में सागर” को चरितार्थ कर दिया है।

आज इंटरनेट ने दुनिया को जोड़ने का कार्य किया है। लोग मेल के माध्यम से अपने राज्य या देश से अन्य राज्य या देश में स्थिति कार्यालय से संपर्क स्थापित कर सकते हैं। इससे आने जाने में समय नष्ट नहीं होता और कार्य सुचारू रूप से चलता रहता है। आज इंटरनेट पर देश-विदेश की जानकारी, खेल, मौसम, फिल्म, विवाह करवाने, नौकरी करने, टिकट बुकिंग, खरीदारी सबकुछ बड़ी सहजता से संभव हो जाता है। बैंको, बिल, सूचना संबंधी आवश्यकताओं के लिए लोगों को लंबी कतार में खड़े होने की आवश्यकता नहीं रही है। सब कंप्यूटर के माध्यम से किया जा सकता है। ई कॉमर्स और ई बाजार की दिनानुदिन बढ़ती लोकप्रियता ने सेवा प्रदाताओं और उपभोक्ताओं के बीच की दूरी को मिटा दिया है। ई बैंकिंग ने बैंकिंग सेवाओं को खाताधारकों के द्वार तक पहुँचाने में अहम भूमिका निभाई है। विज्ञान की तरह इंटरनेट वरदान भी है और अभिशाप भी।

इसका दुरुपयोग भी होता है - वाइरस, अश्लील तस्वीरें भेजना, बैंक में से पैसे निकाल लेना आदि। समय की माँग है कि अंतरजाल पर घटित हो रही अवांछित गतिविधिओं पर यथाशीघ्र अंकुश लगाया जाय और इसके दुष्प्रयोग को रोकने के लिए कठोर वैधानिक प्रावधान लाए जायें। सबको इंटरनेट के साथ-साथ उसका उचित उपयोग करने के लिए प्रेरित करना चाहिए।

मनोरंजन का महत्त्व

हर मनुष्य को मनोरंजन प्रिय होता है। मनोरंजन का इतिहास बहुत पुराना है। उसका संबंध मनुष्य की सभ्यता के साथ जुड़ा हुआ है। मनोरंजन के साधन कहीं न कहीं सामाजिक व्यवस्थाओं से प्रभावित था। मध्यकाल में विविध अवसरों पर आयोजित होने वाले मेलों का खास महत्त्व होता था।

आज के आधुनिक युग में मनोरंजन के अनेक साधन विकसित हुए हैं। जैसे-जैसे वह सभ्य होता गया, वैसे-वैसे मनोरंजन के नये-नये साधनों की खोज

होती गई। जैसे टेलिविज़न, चलचित्र, रेडियो, नाटक, नौटंकी, संगीत, नृत्य, डिस्को, हास्य रस गोष्ठी, कवि सम्मेलन,जादू, सर्कस, मेला ,खेल से मनोरंजन आदि। ऐसे में संगीत, नृत्य आदि मनोरंजन के सबसे अच्छे साधन है। दिनभर कार्य करने से शारीरिक थकान के साथ-साथ मानसिक थकान भी हो जाती है। इसके अलावा लगातार कार्य करने से आदमी कार्य से उकता जाता है। थकावट व उकताने से निजात पाने के लिए मनोरंजन के साधन होना जरूरी हैं। मनोरंजन मनुष्य को स्फूर्ति और ऊर्जा देते हैं। जीवन में ताजगी भरता है। विचारों तथा सोच को सकारात्मक पक्ष देता है। रूचि के अनुसार लोग मनोरंजन के साधनों का उपयोग करते हैं। शहर को जो साधन प्राप्त हैं, वे गाँव वालों को नहीं।

मनोरंजन के बिना मनुष्य का जीवन नीरस और रंगहीन हो जाएगा।

मनोरंजन कुछ समय के लिए ही ठीक है, अगर आप इसके ज्यादा आदि हो गए तो समय भी व्यर्थ हो सकता है।

प्र.13. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर 80-100 शब्दों में पत्र लेखन कीजिए। [5]

1. आपके क्षेत्र में सड़कों पर बहुत अधिक पानी जमा हो जाता है, क्योंकि अधिकांश सड़कें टूटी हुई हैं। जगह-जगह 'स्पीड ब्रेकर' यातायात में सहायक न होकर बाधक बन गए हैं। परिस्थिति की पूर्ण जानकारी देते हुए नगर निगम के अधिकारी को शिकायती पत्र लिखिए।

सेवा में,
मुख्य अधिकारी
नगर निगम
नई दिल्ली
विषय - अपने क्षेत्र की सड़कों की दुर्दशा हेतु पत्र।

महोदय

सविनय निवेदन है कि मैं विजय नगर का निवासी हूँ। हमारे क्षेत्र में अधिकांश सड़कें टूटी हुई हैं। सड़कों पर गड्ढे हो गए है, जिसमें पानी भर जाने की वजह से मच्छर बढ़ने की समस्या का भी सामना करना पड़ता है। सड़क दुर्घटना भी बढ़ने लगी है।

आशा है कि आप इस समस्या पर गौर करेंगे और शीघ्र ही आवश्यक कार्यवाही करेंगे।

धन्यवाद।

भवदीय

किशोर कत्याल

28, नटेशन स्ट्रीट

विजय नगर

नई दिल्ली

दिनाँक: 15 अप्रैल, 20xx

अथवा

2. गौरव आपका मित्र है और उसने नेशनल स्तर पर ऊँची कूद में स्वर्ण पदक प्राप्त कर देश का नाम रोशन किया है, उसे बधाई देते हुए पत्र लिखिए।

नेहरू छात्रावास

दिल्ली पब्लिक स्कूल

नई दिल्ली

दिनाँक: 30 मार्च 20xx

प्रिय गौरव

मधुर स्नेह।

पत्र देर से लिखने के लिए क्षमा चाहता हूँ। तुम तो जानते ही हो कि मेरी वार्षिक परीक्षा चल रही थी। जिसके कारण में तुम्हें पत्र नहीं लिख पाया। यह पत्र मैंने तुम्हें नेशनल स्तर पर ऊँजी कूद में स्वर्ण पदक प्राप्त करने पर बधाई देने के लिए लिखा है। सचमुच मित्र उस दिन अखबार में तुम्हारा नाम पढ़कर गर्व से मेरी छाती फूल गई। नेशनल स्तर पर इस तरह की सफलता पर हम सबको तुम पर गर्व है।

आशा करता हूँ कि भविष्य में भी इसी तरह की सफलता की खबरें हम तक पहुँचती रही। मेरे छात्रावास के सहपाठियों ने भी तुम्हें शुभकामनाएँ भेजी हैं। जल्द ही मैं तुमसे मिलने आऊँगा और सारे दोस्त मिलकर दावत का आयोजन करेंगे। शेष मिलने पर।

तुम्हारा मित्र

सौरभ

प्र.14. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर 40 से 50 शब्दों में सूचना लेखन कीजिए। [5]

1. मीरा इंटरनेशनल स्कूल, दिल्ली में हिंदी साहित्य समिति के सचिव हैं। आपके विद्यालय में आयोजित भाषण प्रतियोगिता के लिए विद्यार्थियों को आमंत्रित करते हुए एक सूचना पत्र लिखें।

सूचना

हिंदी साहित्य समिति

मीरा इंटरनेशनल स्कूल, दिल्ली

11 जुलाई 20 - -

सभी विद्यार्थियों को सूचित किया जाता है कि अंतर्रविद्यालयी भाषण प्रतियोगिता विद्यालय के सभागार में आयोजित है। इस प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए विद्यार्थियों के नाम आमंत्रित हैं।

दिनांक - 15 जुलाई 20 - -

समय - प्रातः 11 बजे

स्थान - विद्यालय सभागार

विषय - भाषण

प्रतियोगिता में भाग लेने के इच्छुक विद्यार्थी अपना नाम 15 जुलाई 20-- तक हिंदी साहित्य समिति के सचिव को दें।

पंकज मिश्रा
सचिव
हिंदी साहित्य समिति

अथवा

2. गुमशुदा बुजुर्ग की तलाश के लिए अखबार में छपवाने के लिए सूचना तैयार कीजिए।

सूचना

आम नागरिकों को सूचित किया जाता है कि 55 वर्षीय बुजुर्ग जिनका नाम राम जोशी हैं। कद पाँच फूट पाँच इंच, साँवला शरीर, भारी देह तथा नीले रंग का कुरता और सफ़ेद रंग का पायजामा पहना है पिछले पाँच दिनों से गायब हैं।

यदि किसी भी व्यक्ति को इस गुमशुदा बुजुर्ग के बारे में जानकारी मिले तो तुरंत नीचे दिए हुए दूरभाष पर संपर्क करें।

दूरभाष : 9888888898

प्र. 15. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर 50-60 शब्दों में संवाद लेखन कीजिए। [5]

1. दो शिक्षकों के मध्य हो रहे संवाद को लिखिए।

पहला शिक्षक : और बताओ काम कैसा चल रहा है?

दूसरा शिक्षक : काम का तो पूछो ही मत। ..

पहला शिक्षक : हाँ मेरी हालत भी कुछ ऐसी ही है। पढ़ाने के साथ कितने सारे अन्य काम दे रखे है।

दूसरा शिक्षक : हाँ, तुम वार्षिकोत्सव कार्यक्रम का सारा काम देख रहे हो ना?

पहला शिक्षक : हाँ, इसके अलावा 300 कार्यपत्रक भी आ रखे हैं।

दूसरा शिक्षक : कैसे होगा? अन्य गतिविधियों के लिए अलग से शिक्षक को नियुक्त करना चाहिए।

पहला शिक्षक : सही कह रहे हो, परंतु कोई शिकायत करने की हिम्मत भी नहीं कर पाता। कुछ हो गया तो?

दूसरा शिक्षक : हाँ, इसी चक्कर में सब पीस रहे हैं। और जाए भी तो कहाँ सब जगह यही हाल है।

अथवा

2. महिला और मोची के मध्य हो रहे संवाद को लिखिए।

महिला : सुनिए ...

मोची : जी, देवीजी।

महिला : मेरी सेंडल टूट गई है, जरा बना देंगे?

मोची : मेरे हाथ में एक काम है उसे पूरा करना है। वह साहब अभी आते ही होंगे।

महिला : तो कितना समय लगेगा।

मोची : आधा घंटा।

महिला : तुम पक्का बना दोगे तो में आधे घंटे बाद आकर लेकर जाऊँगी।

मोची : हाँ, आप निश्चिंत रहिए आधे घंटे में बन जाएगा।

महिला : ठीक है पर क्या दाम लोगे?

मोची : 30 रु.

महिला : 25 रु. दूँगी

मोची : ठीक है।

महिला : आती हूँ।

प्र. 16. निम्नलिखित विज्ञापनों में से किसी एक विज्ञापन का आलेख 50 शब्दों में तैयार कीजिए। [5]

1. सफ़ेद कपड़ो की धुलाई के किए प्रयोग किए जानेवाले साबुन का विज्ञापन तैयार कीजिए।

असली सफ़ाई-बार से कपड़ों की कर लो सफाई,

किफायती दाम में चमकती सफ़ेदी का दावा ।

असली बार

अथवा

2. गुलाब जामुन मिक्स का विज्ञापन तैयार कीजिए।

माँ का प्यार गुलाब जामुन मिक्स

अब गुलाब जामुन घर पर बनाना हुआ आसान,

माँ का प्यार गुलाब जामुन मिक्स के साथ